LXXII

RECHANT.

Biẽn | fŏ | I' ę̂t | ĸĭ | pę̄rd | lĕ | sānsˌ
Ĕ | pę̄rd | lĕ | tānsˌ | vĕ | nĕ | mānt | s'ă | mū | zānt,
Sœ̄ | t̀ ă | lă | hɛ́ | nĕ | dŭ | lœ́ı | āl
Sœ̄ | t̀ ă | l'ă | mɤ̆r | mă | lŭ | rēs | dĕ | l'ī | n | ɻrāt. <·

CHANT .I.

Ān | tĕ | dŏ | nān | t ă | ĸĭ | mœ́ıns | tĕ | vɤ̄ | drœ̄t̀,
Ūn | ĸĭ | ę̂t | tiẽn | tŭ | ĕ | ĸōn | dūis. ·><·

2.

Un | ĸi | te | ch ę̄r | ch e | tu | ch as | se | z œ | lœ́iŋ,
Un | tu | pɤ̆r | suis | ĸi | te | fui | ra. ·><·

3.

Puis | ĸe | tu | fuis | ĸi | te | vɐt, | tu | ę̂– | biẽn
Di | ŋe | d'ɛ́i | mɛ́r | ĸi | te | hę̂ | ra ·><·

4.

É́in | si | tu | lę̄s | ses | la | mɐ | re | mœ̨ | sòn,
É́s | pɛ́ | rant | d'un | fri | ch e | san | fruit. ·><·

5.

Puis | ĸe | tu | n'ɛ́i | mes | ĸĭ | t'ɛ́i | me | ĸons | tant,
San | ɻɤ̈ | ır | vī | ne | vi | vant | pas. ·><· <·